जिनका मेरी मैया से लगाव हो गया भजन लिरिक्स

जिनका मेरी मैया से लगाव हो गया,
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया,
नदी वो मिली है सागर में जा ज़रूर,
जिसका ठीक राह पे बहाव हो गया,
जिनका मेरी मईया से लगाव हो गया,
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया।bd।

तर्ज – देखा एक ख्वाब तो।

जो भी बैठे है माँ की कश्ती में,
लग जाए चार चाँद हस्ती में,
जो भी गुण मैया के गाते हैं,
उनके चर्चे है गली बस्ती में,
ज़िन्दगी में उनके बदलाव हो गया ,
जिनका मेरी मईया से लगाव हो गया,
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया।bd।

जिनको दादीजी का सहारा है,
उनका मझधार ही किनारा है,
जो भी भक्ति करे है मैया की,
कभी हिम्मत नहीं वो हारा है,
हर हाल में खुश रहने का स्वभाव हो गया,
जिनका मेरी मईया से लगाव हो गया,
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया।bd।

वो बड़े खुशनसीब होते हैं,
माँ के जो भी करीब होते हैं,
जो भी है दूर झुंझुनू वाली से,
वो बड़े बदनसीब होते है,
भक्तों जिनका मैया से अलगाव हो गया,
ज़िन्दगी में उनके तनाव हो गया,
जिनका मेरी मईया से लगाव हो गया,
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
जिनका मेरी मैया से लगाव हो गया,

दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया,
नदी वो मिली है सागर में जा ज़रूर,
जिसका ठीक राह पे बहाव हो गया,
जिनका मेरी मईया से लगाव हो गया,
दूर ज़िन्दगी का हर अभाव हो गया।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
मनमोहन जी सोनी।
7004283338

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com